

PT. VISHWA MOHAN BHATT

Creator of the MOHAN VEENA and the winner of the GRAMMY AWARD, Pt. Vishwa Mohan has mesmerized the world with his pristine pure, delicate yet fiery music. It is due to Vishwa's maiden mega effort that he rechristened guitar as MOHAN VEENA, his genius creation and has established it at the top most level in the mainstream of Indian Classical Music scenario, thereby proving the essence of his name VISHWA (meaning the world) and MOHAN (meaning charmer) and indeed, a world charmer he is.

2. Being the foremost disciple of Pt. Ravi Shankar, Pt. Vishwa Mohan belongs to that elite body of musicians which traces its origin to the Mughal emperor Akbar's court musician TANSEN and his guru the Hindu Mystic Swami Haridas.

3. Born on February 01, 1952, Pt. Vishwa Mohan has attracted international attention by his successful Indianisation of the Western Hawaiian guitar with his perfect assimilation of sitar, sarod & veena techniques, by giving it an evolutionary design & shape and by adding 14 more strings helping him to establish the instrument MOHAN VEENA to unbelievable heights. With blinding speed and faultless legato, Bhatt is undoubtedly one of the most expressive, versatile and greatest slide players in the world.

4. Being a powerhouse performer, Pt. Vishwa Mohan 's electrifying performance always captivates the audience whether in the United States of America, Europe, Gulf countries or his motherland India. Pt. Vishwa Mohan has become the cultural ambassador of India by carrying the Herculean task of glorifying and popularizing Indian culture and music throughout the world.

5. Outstanding features of Pt. Vishwa Mohan's baaj (style) are his natural ability to play the 'Tantrakari Ang' and incorporate the 'Gayaki Ang' on Mohan Veena which is the greatest advantage of this instrument over traditional Indian instrument like sitar, sarod and veena. It was no surprise that Pt. Vishwa Mohan with his sheer virtuosity and limitless supply of melodies won the highest music award of the world, the GRAMMY AWARD in 1994 along with Ry Cooder for their World Music Album, 'A MEETING BY THE RIVER' enhancing his celebrity status not only as a star performer but also as an improviser and a soulful composer.

6. Pt. Vishwa Mohan has performed extensively in the USA, USSR, Canada, the Great Britain, Germany, Spain, France, Italy, Netherlands, Belgium, Scotland, Switzerland, Denmark, then scaling the Gulf of Dubai, Al-Sharjah, Bahrain, Muscat, Abu Dhabi etc. and throughout India.

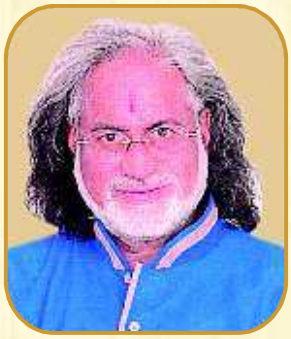

पं. विश्व मोहन भट्ट

'मोहन वीणा' के सृजनकर्ता और "ग्रैमी पुरस्कार" के विजेता, पं. विश्व मोहन ने अपनी पुरातनी विशुद्ध समर्पित और जोशीले संगीत से विश्व भर को सम्मोहित कर दिया है। यह आपका अनूठा महती प्रयास ही है कि आपने गिटार को अपने प्रखर सृजन के तौर पर "मोहन वीणा" में रूपांतरित कर दिया और इसे भारतीय शास्त्रीय जगत की मुख्यधारा में सर्वोच्च स्तरीय वाद्य यंत्र के रूप में प्रतिस्थापित कर दिया और अपने नाम के शब्दों विश्व (यानी संसार) और मोहन (यानी सम्मोहक) के अर्थसार को सिद्ध कर दिया और वस्तुत: आप विश्व सम्मोहक हैं भी।

2. पं. रविशंकर प्रसाद के प्रमुख शिष्य होने के साथ-साथ आप उस संगीतज्ञ घराने से भी संबंध रखते है जिसने अपना प्रादुर्भाव मुगल सम्राट अकबर के दरबारी संगीतकार तानसेन और उनके गुरू हिन्दू रहस्यवादी हरिदास के साथ से बताया है।

3. आपका जन्म 01 फरवरी, 1952 को हुआ था और आपने पश्चिमी हवाईयन गिटार का सफल भारतीयकरण करके अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबका ध्यान आकृष्ट किया जिसमें आपने उसमें 14 और तारों को जोड़ते हुए और उसे विकसित डिजायन और आकार के साथ सितार, सरोद और वीणा तकनीक को सहयोजन करके अविश्वसनीय उत्कृष्टता से पूर्ण "मोहन वीणा" वाद्ययंत्र के रूप में स्थापित किया। अपनी अंधाधुंध गति और त्रुटी रहित अभंगता से आप विश्व के अत्यधिक अभिव्यंजक, विविधतापूर्ण और महान स्लाइड प्लेयर बन गए।

4. एक उर्जावान कलाकर के रूप में आप संयुक्त राज्य अमेरिका, यूरोपीय खाड़ी देशों अथवा अपनी मातृभूमि भारतवर्ष के श्रोतागणों को अपनी चमत्कारिक कला प्रदर्शन से मंत्रमुग्ध कर देते हैं। भारतीय संस्कृति और संगीत की सम्पूर्ण विश्व में ध्वजा पताका फहराने और उसे लोकप्रिय बनाने के अपने अथक प्रयासों से आप भारत के सांस्कृतिक अम्बेस्डर बन गए हैं।

5. आपकी बाज (शैली) की उत्कृष्ट विशेषता, "तंत्रकारी अंग" बजाने की आपकी नैसर्गिक योग्यता और उसे "गायकी अंग" के रूप में "मोहन वीणा" पर समाहित कर देने की जो कला है वह सितार, सरोद और वीणा जैसे परंपरागत भारतीय वाद्ययंत्रों पर इस वाद्ययंत्र की महान सफलता का द्योतक है। इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं है कि विशुद्धकला प्रवीणता और सुरों के निर्बाध राग से आपको वर्ष 1994 में विश्व के सर्वोच्च संगीत पुरस्कार "ग्रैमी पुरस्कार और साथ ही साथ उनके विश्व संगीत एलबम के लिए 'Ry Cooder' विभूषित किया गया। आपकी यशस्विता के दर्जा को ऊँचा करने वाला "ए मीटिंग बाई दि रीवर" न केवल एक स्टार कलाकारिता का प्रतीक है अपितु आपकी त्वरित विधा और दिलचस्प रचनाकारिता का द्योतक है।

6. आपने संयुक्त राज्य अमेरिका, यू एस एस आर, कनाडा, ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, स्पेन, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, बेल्जियम, स्कॉलैण्ड, स्विटरजरलैण्ड, डेनमार्क, में व्यापक स्तर पर अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए दुबई, अल शरजाह, बहरीन, मस्कट, अबू धाबी आदि जैसे खाड़ी देशों के साथ-साथ सम्पूर्ण भारत में अपनी कला का परचम लहराया है।